भारत की आर्थिक स्थिरता में मौद्रिक नीति अहम

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

अमेरिकी टैरिफ से भारत पर न्यूनतम असर की उम्मीद

मुंबई, 25 अगस्त (वार्ता) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मौद्रिक नीति की भूमिका स्थिरता बनाए रखने और विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है.

फिक्की और भारतीय बैंक संघ द्वारा आयोजित फिबैक 2025 के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए, मल्होत्रा ने वैश्विक आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद उभरते अवसरों का लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया.

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद विकास पर जोर- आरबीआई गवर्नर ने कहा, हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं क्योंकि हम बढ़ते व्यापार अनिश्चितता और लगातार भू-राजनीतिक तनावों वाले वैश्विक वातावरण में आगे बढ़ रहे हैं. हमें विकास की सीमाओं को बढ़ाना होगा. हमें उभरती चुनौतियों का समाधान करने और साथ ही, हमारे सामने आ रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा. उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था लगातार व्यापारिक घर्षण, बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों के कारण एक चुनौतीपूर्ण दौर का सामना कर रही है.

अमेरिका के टैरिफ और मुद्रास्फीति पर आरबीआई का रुख- अमेरिका द्वारा टैरिफ (शुल्क) बढ़ाने की आशंका पर, आरबीआई गवर्नर ने कहा, हमें उम्मीद है कि टैरिफ पर बातचीत होगी और भारत की आर्थिक वृद्धि पर इसका न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा. मल्होत्रा ने रेखांकित किया कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति के दबावों को नियंत्रित करने की नाजुक चुनौती का सामना कर रहे हैं, बिना आर्थिक सुधार को रोके, जो अस्थिर कमोडिटी कीमतों और असमान पूंजी प्रवाह से और भी जटिल हो गई है.

उन्होंने फिर से कहा कि आरबीआई मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने और विकास को बनाए रखने के दोहरे उद्देश्यों के साथ मौद्रिक नीति का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है.

सुरक्षित विदेशी मुद्रा भंडार

गवर्नर ने आगे कहा कि भारत की बाहरी स्थिति सुरक्षित है, जिसे पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार का समर्थन प्राप्त है जो 11 महीने के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है. उन्होंने कहा, हम वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना जारी रखेंगे; यह हमारा प्राथमिक उद्देश्य है.

पहली छमाही में 68 लाख यूनिट की बिक्री

भारत में पीसी बाजार में 5.7% की वृद्धि, एचपी ने नेतृत्व किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त भारत में उपभोक्ता पीसी (पर्सनल कंप्यूटर) खंड में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से मांग में लगातार मजबूती बनी हुई है. एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी-जून की अवधि में पीसी बाजार में सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें कुल 68 लाख यूनिट की बिक्री हुई.

आईडीसी इंडिया और साउथ एशिया के रिसर्च मैनेजर भरत शेनॉय ने बताया कि 2025 की पहली छमाही में रणनीतिक इन्वेंट्री सुधार के कारण यह वृद्धि दर्ज की गई. उन्होंने कहा कि जुलाई से नए स्टॉक के लिए जगह बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि स्वतंत्रता दिवस की बिक्री और आने वाले त्योहारी सीजन के लिए तैयारी की जा सके.

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कमर्शियल पीसी सेगमेंट में अप्रैल-जून की तिमाही में 9.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण उद्यमों से बढ़ती मांग है. ई-रिटेल चैनल ने भी अपनी वृद्धि दर बनाए रखी, जिसमें 2025 की दूसरी तिमाही में 1.6 प्रतिशत और पहली छमाही में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई.बाजार हिस्सेदारी में, एचपी ने 2025 की दूसरी तिमाही में 30.8 प्रतिशत और पहली छमाही में 29.9 प्रतिशत के साथ समग्र पीसी मार्केट में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा. कमर्शियल सेगमेंट में, एचपी का 35 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर दबदबा रहा. लेनोवो 20.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा.रिपोर्ट में गेमिंग नोटबुक और एआई नोटबुक की बढ़ती लोकप्रियता का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें पहली छमाही में एआई नोटबुक शिपमेंट में 145.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

त्योहारी सीजन में कार्यबल और लॉजिस्टिक्स होगा मजबूत

बेंगलुरु, 25 अगस्त (वार्ता) ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने त्योहारी सीजन की तैयारी के तहत अपने कार्यबल में विस्तार किया है और 2.2 लाख से अधिक लोगों को अल्पकालिक रोजगार देने की घोषणा की है.

कंपनी ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि द बिग बिलियन डेज सेल के लिए वह अपने कार्यबल, साझेदारों और अखिल भारतीय लॉजिस्टिक्स को मजबूत कर रही है. वह 28 राज्यों में रोजगार के अवसरों और बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है. उसने बताया कि इस प्रयास में 2.2 लाख से अधिक अल्पकालिक रोजगार के अवसर सृजित हुये हैं. इसमें पिकर, पैकर, सॉर्टर और डिलीवरी एक्जीक्यूटिव की भूमिकाएं शामिल हैं.

विज्ञप्ति में कहा गया है, फ्लिपकार्ट यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसकी आपूर्ति श्रृंखला न केवल तेज हो बल्कि भविष्य के लिए भी तैयार हो.कंपनी ने बताया कि वह सिलीगुड़ी, कुंडली, जाखड़ जैसे शहरों में त्यौहारों के लिए 650 नये डिलीवरी केंद्रों का विस्तार करेगी.

एफ.ई.पी.आई. राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रकाशकों और शिक्षाविदों को किया गया

नई दिल्ली,24 अगस्त. फेडरेशन ऑफ एजुकेशनल पब्लिशर्स इन इंडिया ने रविवार को अपना प्रतिष्ठित वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया. इस अवसर पर देशभर से आए प्रमुख प्रकाशकों, मुद्रकों, लेखकों और शिक्षाविदों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया.

समारोह के मुख्य अतिथि हर्ष मल्होत्रा ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रकाशन उद्योग के योगदान की सराहना की और इसके सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया. इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों जैसे तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात और कर्नाटक से आए प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, पुस्तक विक्रेताओं, प्रकाशकों लेखकों ने भाग लिया और समारोह की गरिमा बढ़ाई.

आजीवन उपलब्धि पुरस्कार भी प्रदान किए गए

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को उनके अद्वितीय सेवा-कार्य और समर्पण के लिए विशेष आजीवन उपलब्धि पुरस्कार भी प्रदान किए गए. यह कार्यक्रम शिक्षा और प्रकाशन क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और प्रतिबद्धता की भावना को उजागर करने का एक मंच साबित हुआ. समारोह में भारत की शैक्षिक और प्रकाशन प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया गया.

रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ 87.34 प्रति डॉलर पर

मुंबई, 25 अगस्त.सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया सोमवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.34 पर पहुंच गया.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 प्रति डॉलर पर खुला. फिर 87.34 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की बढ़त दर्शाता है.रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.52 पर बंद हुआ. अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया.घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंक चढ़कर 81,592.47 अंक पर और निफ्टी 91.25 अंक की बढ़त के साथ 24,961.35 अंक पर रहा.

चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहन खंड में 6-9% वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली,25 अगस्त.रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक रिपोर्ट में बताया है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू दोपहिया वाहन बाजार में छह से नौ प्रतिशत की सालाना वृद्धि होने की संभावना है. इस वृद्धि का मुख्य कारण स्थिर प्रतिस्थापन मांग, शहरी खपत में सुधार, सामान्य मानसून से ग्रामीण आय में वृद्धि और जीएसटी दरों में संभावित कमी है.

रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक है. जीएसटी में कमी जैसे प्रोत्साहन इसे और गति दे सकते हैं. हालांकि, जुलाई में घरेलू थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 15 लाख इकाई हो गई, लेकिन खुदरा बिक्री में 6.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. यह गिरावट कमजोर शहरी मांग और भारी वर्षा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवाजाही बाधित होने की वजह से हुई.इसके विपरीत, दोपहिया वाहनों का निर्यात लगातार बढ़ रहा है. जुलाई में इसमें 32 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई.

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ईउब्ल्यू) की बिक्री में क्रमिक रूप से थोड़ी गिरावट आई, जो जुलाई में दो प्रतिशत घटकर 1,02,900 इकाई रह गई.

सरकार ने प्राकृतिक शहद का निर्यात मूल्य घटाया

उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार समेत राज्यों में शहद उत्पादन बढ़ा

अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई प्रमुख निर्यात बाजार

नई दिल्ली, 25 अगस्त. केंद्र सरकार ने प्राकृतिक शहद के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 2,000 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से घटाकर 1,400 अमेरिकी डॉलर प्रति टन कर दिया है.

यह संशोधित मूल्य तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 31 दिसंबर, 2025 तक प्रभावी रहेगा. विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी. एमईपी वह न्यूनतम मूल्य है, जिससे कम कीमत पर किसी भी सामान के निर्यात की अनुमति नहीं होती है. यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश के प्रमुख शहद उत्पादक राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, बिहार और राजस्थान में उत्पादन बढ़ रहा है.इस कदम से भारतीय शहद निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलने की उम्मीद है, खासकर अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कतर जैसे प्रमुख निर्यात गंतव्यों में. सरकार ने देश में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए पहले ही राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (एनबीएचएम) की शुरुआत की है.

नेक्स्ट्रा ने 2024-25 में कार्बन उत्सर्जन कम किया

नयी दिल्ली, 25 अगस्त. निजी दूरसंचार सेवा कंपनी भारती एयरटेल की सहायक कंपनी नेक्स्ट्रा डेटा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में कार्बन उत्सर्जन में 15 प्रतिशत अधिक कमी करने में सफलता प्राप्त की है. कंपनी ने सोमवार को बताया कि- स्वच्छ ऊर्जा और स्मार्ट संचालन के माध्यम से पर्यावरणीय असर कम करना, सामाजिक समावेश और सुरक्षा को बढ़ावा देना और पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ बेहतर कॉरपोरेट प्रशासन सुनिश्चित करना.

दिल्ली हाट में दो दिवसीय मानसून मेला संपन्न

कव्वाली, नुक्कड़ नाटक और कला परिषद की शानदार प्रस्तुतियां

नई दिल्ली, 25 अगस्त॰ दिल्ली पर्यटन विभाग ने जनकपुरी स्थित दिल्ली हाट में शनिवार और रविवार को दो दिवसीय मानसून मेला आयोजित किया. इस मेले का मुख्य उद्देश्य दिल्लीवासियों को मानसून के आगमन का स्वागत करने का अनोखा अवसर प्रदान करना था. मेले में विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों ने आगंतुकों को खूब आकर्षित किया, जहां खाने-पीने से लेकर हस्तशिल्प तक की विविधता देखने को मिली.

मेले में लगाए गए स्टॉलों पर खाद्य पदार्थों, वस्त्रों, आभूषणों और हस्तशिल्प उत्पादों की भरमार रही. आगंतुकों ने इन स्टॉलों पर जमकर खरीदारी की और मानसून की फुहारों के बीच उत्सव का लुत्फ उठाया. सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जिम्मेदारी उर्दू अकादमी और साहित्य कला परिषद ने संभाली, जहां कव्वाली, नुक्कड़ नाटक और दैनिक मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई. इन कार्यक्रमों ने मेले को सांस्कृतिक रंग प्रदान किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए मेले में विभिन्न राइड्स उपलब्ध कराई गईं, जो छोटे मेहमानों की पसंदीदा बनीं. इसके अलावा जादू के शो, हास्य शो, संगीत और गायन की प्रस्तुतियां भी आयोजित हुईं, जिन्होंने पूरे परिवार को जोड़े रखा. मेले का एक प्रमुख आकर्षण बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता रही, जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए गए. प्रथम पुरस्कार के रूप में 2000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1500 रुपये और तृतीय पुरस्कार 1000 रुपये प्रदान किए गए. साथ ही तीन सांत्वना पुरस्कारों में प्रत्येक विजेता को 500 रुपये दिए गए.

समाचार विशेष

एमवाय समीकरण से जुड़ेगी पीडीए पॉलिटिक्स?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के राजनीतिक मैदान में आजमाए गए पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स को क्या बिहार के राजनीतिक मैदान में भी उतरा जा सकता है? क्या यह नया राजनीतिक समीकरण बिहार की राजनीति को प्रभावित कर पाएगा? यह सारे सवाल इस समय लखनऊ से लेकर पटना तक के राजनीतिक गलियारे में खूब चर्चा बटोर रहे हैं.

दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव साल के आखिर में होने वाले हैं. अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित बिहार चुनाव को लेकर प्रदेश की राजनीति को गरमाने की कोशिश की जा रही है. हालांकि, अब तक प्रदेश में चुनावी हवा बनती नहीं नहीं दिख पा रही है. जनता चुप है. वोटर खामोश हैं. राजनीतिक दल पूरे जोर-शोर के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं.

बिहार के चुनावी मैदान में पहले जन सुराज पार्टी के मुखिया और पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीतिक हवा को बदलने की कोशिश की. पदयात्राएं कर पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया. अब कुछ इसी तरह की कोशिश करते कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव दिख रहे हैं. कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश के चुनावी मैदान में एक साथ उतरने की घोषणा कर चुके हैं. इंडिया गठबंधन इस बार राजनीतिक हवा को मोड़कर अपने पक्ष में करने की कोशिश में है.

विपक्ष की एकजुटता के आगे नीतीश

विपक्षी गठबंधन अपनी एकजुटता साबित करने की कोशिश में है. इसके लिए कांग्रेस-राजद के साथ समाजवादी पार्टी के भी जुड़ने की खबर है. हालांकि, उनके सामने नीतीश कुमार जैसे बड़े नेता की चुनौती है, जो करीब 20 वर्षों से प्रदेश की राजनीति का निर्विवाद चेहरा बने हुए हैं. 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले भी विपक्ष उनके खिलाफ कोई सॉलिड मुद्दा लेकर नहीं उतर पा रहा है. बदलाव के मसले को हवा देने की जा रही है, लेकिन इसमें विपक्ष को अब तक उस स्तर की कामयाबी नहीं मिल पा रही है. या यूं कहें कि जनता का रुझान अब तक किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में बनता नहीं दिख रहा है. ऐसे में अब प्रयोग का दौर शुरू हो गया है. उत्तर प्रदेश की राजनीति के आजमाए गए पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स को लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के मुस्लिम-यादव यानी एमवाय समीकरण से जोड़ने की कोशिश की जा रही है.

सहयोगियों के किस दांव से भाजपा बेचैन

सपा-बसपा की भी बढ़ेगी मुश्किल

लखनऊ. एनडीए के सहयोगियों ने पंचायत चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है. निषाद पार्टी के 10वें स्थापना दिवस पर दिल्ली में आयोजित समारोह में अपना दल (एस) और सुभासपा के नेताओं की मौजूदगी ने जातीय राजनीति में नये समीकरणों के संकेत साफ कर दिए हैं.

गठबंधनों को लेकर निषाद और अपना दल के असहमति के सुरों के बीच सुभासपा का साथ, सीधे तौर पर भाजपा को बेचैन करने वाला है.

निषाद पार्टी ने निषाद समाज के लिए अनुसूचित जाति के दर्जे की पुरानी मांग दोहराकर कठोर मोलभाव का इशारा दे दिया है. अपना दल और सुभासपा ने भी यही संदेश देने की कोशिश की है. तीनों के एकजुटता से भाजपा पर आगामी पंचायत चुनाव और उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन में ज्यादा हिस्सेदारी देने का दबाव बढ़ना तय है. दूसरी तरफ तीनों की ये गोलबंदी सपा की पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक की रणनीति के लिए भी चुनौती खड़ी करेगी. वहीं, खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटी बसपा की राह भी कठिन हो सकती है. भाजपा के सहयोगी दलों ने पहले ही वर्ष 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अकेले उतरने की घोषणा कर दी है. निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मत्स्य मंत्री संजय निषाद पहले कई बयानों के सहारे अहसजता जता चुके हैं.

भाजपा की साथ बनाए रखने की कोशिश

अब तक इन सहयोगियों की मांग और अपेक्षाओं पर भाजपा सबसे अलग-अलग समन्वय बना रही थी, परंतु यदि अब तीनों एकसाथ अपने हितों को लेकर मांग रखते तो यह थोड़ा मुश्किल होगा. भाजपा साथ बनाए रखने की कोशिश में है, क्योंकि गठबंधन को कई चुनावों से बढ़त बनाने में आसानी हो रही है. तीनों दलों का अपनी-अपनी जातियों में खासी पकड़ मानी जाती है. निषाद पार्टी, निषाद समाज को अपना वोटबैंक बताती है.

जगह तलाश रही हैं उमा भारती

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी की बड़ी नेता उमा भारती ऐलान कर चुकी हैं कि वे अगला चुनाव लड़ेंगी. उमा भारती 2014 से 2019 तक नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री थीं. लेकिन वे 2019 का चुनाव नहीं लड़ीं.

हालांकि उस समय उनकी उम्र सिर्फ 60 साल की थी. उनके चुनाव नहीं लड़ने पर माना गया कि वे राजनीति से संन्यास ले रही हैं. लेकिन अब उन्होंने सक्रिय राजनीति में लौटने का ऐलान किया है. वे 2029 का चुनाव लड़ेंगी. उस समय उम्र 70 साल होगी. ऐसा नहीं है कि उन्होंने चुनाव लड़ने की घोषणा करके चुप्पी साध ली है. वे राजनीति में अपने लिए जगह तलाशने के साथ साथ चुनाव लड़ने की जगह भी खोज रही हैं. ध्यान रहे उमा भारती 2014 में उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से लड़ी थीं. उस चुनाव में भाजपा को 71 सीटें मिली और उसकी सहयोगी अपना दल ने दो सीटें जीतीं. उसके बाद दो चुनावों में भाजपा वह प्रदर्शन नहीं दोहरा पाई. मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अपने गृह राज्य के साथ साथ उत्तर प्रदेश में भी जगह तलाश रही हैं.

विशेष | **अखिलेश का पीडीए चक्रव्यूह भेदने की तैयारी**

बीजेपी के लिए खास बनीं पूजा पाल

लखनऊ. राजनीति में टाइमिंग का ही पूरा खेल है. सही समय पर निर्णय आपको राजनीति का सिरमौर बना सकता है, वहीं गलत समय हो तो कहानी कुछ और ही हो सकती है. ऐसा ही कुछ पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के साथ देखने को मिला.

यूपी विधानसभा मॉनसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून व्यवस्था को लेकर प्रशंसा करने पर विधायक पूजा पाल को समाजवादी पार्टी ने निष्कासित क्या किया, बीजेपी के हाथ मानों संजीवनी ही मिल गई.

यूपी में सियासी घटनाक्रम तेजी से बदलने लगे हैं. लक्ष्य यूपी पंचायत चुनाव - 2026 है, जिसे विधानसभा चुनाव 2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा है. एक तरफ बीजेपी 2014 की तर्ज पर गैर यादव ओबीसी पॉलिटिक्स पर तेजी से काम कर रही है. वहीं चर्चा है कि पूजा पाल को अखिलेश की पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) राजनीति की बड़ी काट के रूप में चेहरा बनाकर पेश करने पर मंथन चल रहा है. हालांकि पूजा पाल के निष्कासन को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता सोशल मीडिया पर ये साबित करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि पूजा पाल के खिलाफ एक्शन तो राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने के समय से ही लंबित था. लेकिन इस एक्शन की टाइमिंग ऐसी रही कि संदेश सीधे ये चला गया कि पूजा पाल ने माफिया अतीक अहमद पर एक्शन को लेकर जब सीएम योगी की प्रशंसा की, तब आनन-फानन में उन्हें पार्टी से निष्कासन का नोटिस थमा दिया गया. योगी सरकार पहले ही अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी सरीखे माफियाओं के खिलाफ एक्शन को तमगे की तरह पेश करती रही है. अब पूजा पाल के मामले ने उसकी रणनीति और मजबूत की है.

लोध वोटरों को साधने में जुटी बीजेपी

बीजेपी काफी समय से इन चुनाव को लेकर जमीन पर काम कर रही है. अखिलेश की पीडीए राजनीति सबसे बड़ी चुनौती है. एक तरफ पार्टी 2014 की तर्ज पर गैर यादव ओबीसी जातियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है. उसकी नजर ओबीसी का बड़ा हिस्सा समेटने वाली कुर्मी और लोध वोटरों पर है. वहीं दूसरी तरफ गड़रिया समाज से आने वाली पूजा पाल को पीडीए राजनीति की काट का बड़ा चेहरा बनाने पर मंथन चल रहा है. चर्चा तो यहां तक है कि पूजा पाल को जल्द ही कोई न कोई पद दिया जा सकता है.